भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 2439

दिनांक 13 फरवरी, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

उत्तरपूर्व में कैंसर के अधिक मामलों की सूचना मिलना

†2439. श्री राजू बिष्ट:

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान देश में कैंसर के मामलों का ब्यौरा क्या है और प्रतिवर्ष राज्य-वार कितने मामले सामने आए हैं;
(ख) विगत पांच वर्षों के दौरान दार्जिलिंग और कलिम्पोंग जिलों से रिपोर्ट किए गए विभिन्न प्रकार के कैंसर के मामलों की प्रकार-वार कुल संख्या कितनी है;
(ग) क्या उत्तरपूर्वी राज्यों और हिमालयी क्षेत्रों में कैंसर के मामले विशेष रूप से अधिक हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;
(घ) कैंसर के प्रमुख कारणों का मूल्यांकन करने के लिए सरकार द्वारा किए गए अनुसंधान अध्ययनों का ब्यौरा क्या है और प्रमुख निष्कर्ष क्या है;
(ङ) विगत पांच वर्षों के दौरान पश्चिम बंगाल राज्य में विशेषकर दार्जिलिंग और कलिम्पोंग जिलों में कैंसर का उपचार करने वाले अस्पतालों, जांच केन्द्रों और जन जागरूकता कार्यक्रमों का ब्यौरा क्या है; और
(च) कैंसर रोगियों को अस्पतालों आने-जाने और उपचार की लागत के लिए प्रदान की जाने वाली वित्तीय योजनाओं और सुविधाओं का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ग): भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने सूचित किया है कि राष्ट्रीय रोग सूचना एवं अनुसंधान केंद्र (एनसीडीआईआर) – राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम (एनसीआरपी) के अनुसार, पिछले पांच वर्षों के दौरान देश में सभी प्रकार और स्थानों के कैंसर के अनुमानित मामलों की संख्या, राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार, **अनुलग्नक-I** में संलग्न है। एनसीडीआईआर – एनसीआरपी के अनुसार, उत्तर पूर्वी राज्यों के कुछ क्षेत्रों में उच्च आयु समायोजित घटना दर (एएआईआर) देखी गई है।

(घ) आईसीएमआर अपने संस्थानों, विभिन्न परियोजनाओं और कैंसर कंसोर्टियम के माध्यम से कैंसर पर शोध कर रहा है। आईसीएमआर अपने केंद्र प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं के माध्यम से पित्ताशय के कैंसर, स्तन कैंसर, फेफड़ों के कैंसर और पूर्वोत्तर में कैंसर के क्षेत्रों में अनुसंधान को वित्त पोषित कर रहा है।

(ङ) और (च) स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग रोकथाम एवं नियंत्रण कार्यक्रम (एनपी-एनसीडी) के तहत देश भर के राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को तकनीकी एवं वित्तीय सहायता प्रदान करता है। यह कार्यक्रम गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के लिए बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने, मानव संसाधन विकास, स्क्रीनिंग, शीघ्र निदान, रेफरल, उपचार और स्वास्थ्य संवर्धन पर केंद्रित है।

एनपी-एनसीडी के तहत, देशभर में 770 जिला एनसीडी क्लीनिक, 364 जिला डे केयर कैंसर सेंटर (डीसीसीसी) और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में 6,410 एनसीडी क्लीनिक स्थापित किए गए हैं। केंद्रीय बजट 2025-26 की घोषणा के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए देशभर में 297 डे केयर कैंसर सेंटर (डीसीसीसी) स्थापित करने की मंजूरी दी गई है ताकि बुनियादी ढांचे के विकास को मरीजों की जरूरतों के अनुरूप बनाकर विकेंद्रीकृत कैंसर देखभाल को मजबूत किया जा सके।

एनएचएम के तहत और व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के एक भाग के रूप में, देश में सामान्य गैर-संक्रामक रोगों (एनसीडी) जैसे मधुमेह, उच्च रक्तचाप और तीन सामान्य कैंसर (मुख का कैंसर, स्तन कैंसर और गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर) की रोकथाम, नियंत्रण और स्क्रीनिंग के लिए एक जनसंख्या-आधारित पहल शुरू की गई है। इस पहल के तहत, 30 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों को इन तीन सामान्य कैंसरों की स्क्रीनिंग के लिए लक्षित किया गया है। आयुष्मान आरोग्य मंदिर में इन सामान्य कैंसरों की स्क्रीनिंग सेवा वितरण का एक अभिन्न अंग है।

विशिष्ट चिकित्सा कैंसर सुविधाओं को सुदृढ़ करने की योजना के तहत, पश्चिम बंगाल राज्य में 3 टीसीसीसी सहित देश भर में 19 राज्य कैंसर संस्थान (एससीआई) और 20 विशिष्ट चिकित्सा कैंसर केंद्र (टीसीसीसी) स्थापित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, कोलकाता में चित्तरंजन राष्ट्रीय कैंसर संस्थान की स्थापना सरकार द्वारा सुपर स्पेशलिटी कैंसर देखभाल प्रदान करने के लिए की गई है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत, राष्ट्रीय निःशुल्क औषधि पहल और निःशुल्क निदान सेवाएं जन स्वास्थ्य केंद्रों पर आवश्यक दवाओं और निदान सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करती हैं, जिससे जेब से होने वाला खर्च कम होता है। राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग रोकथाम एवं नियंत्रण कार्यक्रम (एनपी-एनसीडी) के तहत जिला एवं उप-मंडल अस्पतालों में कैंसर रोधी दवाओं को आवश्यक औषधि सूची में शामिल किया गया है।

आयुष्मान भारत – प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) के तहत कैंसर सहित प्रमुख गैर-संचारी रोगों का उपचार उपलब्ध है। इस योजना के अंतर्गत सूचीबद्ध सरकारी और निजी अस्पतालों में माध्यमिक और विशिष्ट स्तर की चिकित्सा देखभाल हेतु अस्पताल में भर्ती के लिए प्रति परिवार प्रति वर्ष 5 लाख रुपये की

सहायता राशि प्रदान की जाती है। प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) और किफायती दवाएं और उपचार के लिए विश्वसनीय प्रत्यारोपण (अमृत) फार्मेसियां किफायती कैंसर दवाओं, स्टेंट और प्रत्यारोपण तक पहुंच में सुधार करती हैं, जिससे जेब से होने वाला खर्च कम होता है और दीर्घकालिक उपचार के प्रति प्रतिबद्धता को बढ़ावा मिलता है।

******

अनुलग्नक-I

भारत में विभिन्न राज्यों/संघ राज्य क्षेत्र में नए कैंसर मामलों की अनुमानित संख्या - सभी प्रकार के कैंसर स्थल					
राज्य	**2021**	**2022**	**2023**	**2024**	**2025**
जम्मू एवं कश्मीर	11683	11764	11869	11946	12024
लद्दाख	260	261	262	262	262
हिमाचल प्रदेश	7885	7924	7959	8001	8041
पंजाब	23129	23276	23420	23573	23719
चंडीगढ़	979	992	997	1006	1014
उत्तराखंड	12172	12298	12420	12552	12678
हरियाणा	31505	31896	32282	32671	33059
दिल्ली	24878	25591	26328	27120	27935
राजस्थान	80761	84041	87535	91208	92175
उत्तर प्रदेश	235153	244583	254579	265167	267823
बिहार	120159	121945	123731	125522	127306
सिक्किम	565	573	583	597	607
अरुणाचल प्रदेश	659	663	668	675	677
नागालैंड	2240	2257	2268	2288	2314
मणिपुर	2062	2146	2214	2300	2373
मिजोरम	1894	1943	1991	2048	2093
त्रिपुरा	3122	3253	3407	3557	3605
मेघालय	2834	2918	3004	3105	3128
असम	45365	47292	49349	51553	52027
पश्चिम बंगाल	95586	96058	96529	97004	97472
झारखंड	37571	38054	38539	39022	39507
उड़ीसा	44572	44861	45148	45426	45714
छत्तीसगढ़	30054	31289	32600	33988	34372
मध्य प्रदेश	86126	89737	93560	97621	98759
गुजरात	65609	67611	69687	71873	72759
दमन	442	498	557	607	650
दादरा और नगर हवेली	580	639	691	744	789
महाराष्ट्र	116666	119687	122857	126173	127139
तेलंगाना	42087	43786	45599	47522	47751
आंध्र प्रदेश	58914	61212	63664	66268	66503
कर्नाटक	74573	77710	81043	84585	85110
गोवा	1463	1495	1535	1571	1581
लक्षद्वीप	67	71	77	84	84
केरल	76384	80042	83945	88118	88471
तमिलनाडु	81396	85215	89314	93731	95100

पुदुचेरी	1771	1879	1995	2112	2158
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	445	459	480	499	499
भारत	**1421611**	**1465919**	**1512686**	**1562099**	**1577278**